SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता एवं शैक्षिक अभिवत्ति का विश्लेषणात्मक अध्ययन

सोहन कुमार मिश्रा, Ph.D., शिक्षा विभाग
शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Author
सोहन कुमार मिश्रा, Ph.D.

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 28/12/2023
Revised on : -----
Accepted on : 29/02/2024
Overall Similarity : 01% on 21/02/2024

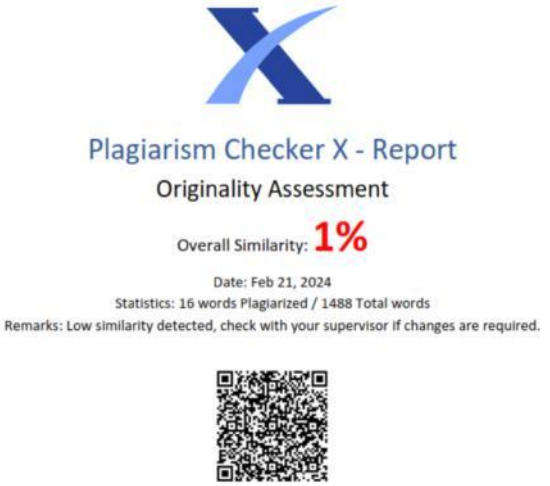

शोध सार

प्रशिक्षण की गुणवत्ता का एक बड़ा मानक है शिक्षण के लिए उसकी प्रासंगिता। बी.एड. प्रशिक्षण द्वारा शिक्षकों में प्रभावशाली कक्षा व्यवहार, नवाचारी पद्धतियों का प्रयोग करना, तात्कालिक सकारात्मक निर्णय क्षमता तथा समस्या समाधान योग्यता का विकास कर अध्ययन अभिक्षमता का विकास किया जाना है। प्रस्तुत शोध में बी. एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता एवं शैक्षिक अभिवृत्ति का अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता एवं शैक्षिक अभिवृत्ति का मापन किया गया है तथा दोनों के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

मुख्य शब्द

प्रशिक्षण, शिक्षक, बी.एड., संबंध.

प्रस्तावना

शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जो मनुष्य की जन्मजात शक्तियों को सामंजस्य पूर्ण स्वाभाविक विकास में सहयोग प्रदान करती है। उसकी वैयक्तिकता का पूर्ण विकास करती है। उसे अपने वातावरण में सामंजस्य स्थापित करने में सहायता देती है। शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है उसकी गतिशीलता की निरन्तरता को बनाये रखने में शिक्षक की अहम् भूमिका होती है। शिक्षक ही समस्त शिक्षण प्रक्रिया की धुरी है। विद्यालय भवन, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें, पाठ्य सामग्री, निर्देशन आदि सभी शैक्षिक कार्यक्रम में शिक्षक का स्थान बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि समाज एवं राष्ट्र की उन्नति शिक्षकों पर निर्भर करती है। शिक्षक, शिक्षण की प्रक्रिया तभी सफल बना सकता है जब वह शैक्षिक, व्यावसायिक योग्यताओं के साथ वैयक्तिव गुणों से युक्त हो। शिक्षा में प्रभावी और सार्थक सुधार लाने के लिए

शिक्षक को शिक्षण कला के समस्त कौशलों से परिपूर्ण करना होगा। वर्तमान शिक्षा प्रक्रिया में बालक बौद्धिक ज्ञान को प्राप्त करता है किन्तु वह उसे व्यक्त करने एवं व्यवहार में प्रयोग करने में सफल नहीं हो पाता। शिक्षक के पास आवश्यक योग्यताएँ हैं परंतु वह तब तक अप्रभावी हैं जब तक कि उसका स्थायी प्रभाव छात्रों में नहीं देखा जाता। अतः शिक्षण को अधिकाधिक प्रभाव पूर्ण बनाने के लिए शिक्षक की प्रभावशीलता छात्रों के सीखने की प्रवृत्ति, ध्यान, रूचि, छात्र प्रत्युत्तर पर निर्भर करती है।

शोध के उद्देश्य

1. शासकीय/अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता का अध्ययन करना।
2. शासकीय/अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
3. बी.एड. – पुरुष एवं महिला प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता का अध्ययन करना।
4. बी.एड. – पुरुष एवं महिला प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
5. बी.एड. – प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में संबंध ज्ञात करना।

परिकल्पनाएँ

1. शासकीय एवं अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता में सार्थक अंतर नहीं होगा।
2. शासकीय एवं अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होगा।
3. पुरुष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता में सार्थक अंतर नहीं होगा।
4. पुरुष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होगा।
5. बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में धनात्मक सहसंबंध नहीं होगा।

परिसीमन

बस्तर जिले के शासकीय एवं अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान तक परिसीमित है।

शोध प्रक्रिया

सर्वेक्षण विधि

न्यादर्शः प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श का चयन यादृच्छिक विधि से किया गयाः

क्र.	संस्था का प्रकार	महिला	पुरूष	कुल
1	शासकीय	30	60	90
2	अशासकीय	30	60	90
	कुल	60	120	180

उपकरणः प्रस्तुत अध्ययन में समस्या समाधान के लिए निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया हैः

1. शिक्षकीय अध्यापन अभिक्षमता मापनी, निर्माणकर्ता – डॉ. आर.पी. सिंह एवं डॉ. एस.एन. शर्मा।
2. शिक्षकीय अध्यापन अभिवृत्ति मापनी – यह मापनी श्री अहलुवालिया द्वारा निर्मित लिकर्ट प्रकार की मानक मापनी है। इसके अन्तर्गत 6 आयामों से संबंधित अभिवृत्ति के प्रश्न हैं।

सांख्यिकी विश्लेषणः प्रस्तुत शोध में सांख्यिकी विश्लेषण निम्नानुसार किया गया हैः

परिकल्पना क्रमांक 01: "शासकीय एवं अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता में सार्थक अंतर नहीं होगा।"

सारणी क्रमांक 01: शासकीय एवं अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता का सांख्यिकीय विश्लेषण

समूह	N	M	SD	df	t	सार्थकता स्तर सारणी मान परिणाम–0.05 पर
शासकीय	90	90.51	9.53	178	0.30	1.97
अशासकीय	90	91.79	7.81			

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

व्याख्याः सारणी क्रमांक 01 से स्पष्ट है कि शासकीय सं व्याख्या स्था के बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता का मध्यमान 90.51 है और अशासकीय संस्था के बी.एड. प्रशिक्षार्थियों का मध्यमान 91.79 है तथा SD क्रमशः 9.53 तथा 7.81 है। दो समूहों के t-Value का मान 0.30 प्राप्त हुआ है जो 0.05 सार्थकता स्तर के मान से कम है अर्थात् शासकीय व अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता में सार्थक अंतर नहीं है। अतः इस आधार पर परिकल्पना क्रमांक – 01 मान्य की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक 02: ''शासकीय एवं अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होगा।''

सारणी क्रमांक 02: शासकीय एवं अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का सांख्यिकीय विश्लेषण

समूह	N	M	SD	df	t	सार्थकता स्तर सारणी मान परिणाम–0.05 पर
शासकीय	90	252.11	35.31	178	0.95	1.97
अशासकीय	90	252.45	35.57			

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

व्याख्याः सारणी क्रमांक – 02 से स्पष्ट है कि शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का मध्यमान 252.11 है और अशासकीय संस्थान के बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का मध्यमान 252.45 है तथा SD क्रमशः 35.31 तथा 35.87 है। दो समूहों के t Value का मान 0.95 प्राप्त हुआ है जो 0.05 सार्थकता स्तर के मान से कम है। अतः इस आधार पर यह परिकल्पना 02 मान्य की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक 03: ''पुरुष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षार्थियों के शैक्षिक अभियोग्यता में सार्थक अंतर नहीं होगा।''

सारणी क्रमांक 03: पुरुष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता का सांख्यिकीय विश्लेषण

समूह	N	M	SD	df	t	सार्थकता स्तर सारणी मान परिणाम–0.05 पर
पुरुष	120	90.62	9.08	178	0.174	1.97
महिला	60	90.82	7.66			

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

व्याख्याः उपरोक्त सारणी अनुसार पुरूष बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता का मध्यमान 90.62 तथा क् 9.08 है तथा बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता का मध्यमान 90.82 एवं SD 7.66 है। दोनों के मध्यमान हेतु t Value 0.174 है जो 0.05 सार्थक स्तर के मान से कम है। इस परिकल्पना हेतु दोनों समूहों के शैक्षिक अभियोग्यता में सार्थक अंतर प्राप्त नहीं हुआ, अतः इस आधार पर उक्त परिकल्पना क्रमांक 03 मान्य की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक 04: ''पुरुष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षार्थियों के शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होगा।''

सारणी क्रमांक 04: पुरुष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षार्थियों के शैक्षिक अभिवृत्ति का सांख्यिकीय विश्लेषण

समूह	N	M	SD	df	t	सार्थकता स्तर सारणी मान परिणाम–0.05 पर
पुरुष	120	250.15	36.51	178	0.013	1.97
महिला	60	262.53	27.86			

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

व्याख्या: उपरोक्त सारणी अनुसार पुरूष बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का मध्यमान 250. 15 तथा SD 36.51 है तथा महिला प्रशिक्षार्थियों के शैक्षिक अभिवृत्ति का मध्यमान 262.53 एवं SD 27. 86 है। दोनों के मध्यमान हेतु t-Value 0.013 है जो 0.05 सार्थक स्तर के मान से कम है। इस परिकल्पना हेतु दोनों समूहों की शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अंतर प्राप्त नहीं हुआ। अतः इस आधार पर उक्त परिकल्पना क्रमांक – 04 मान्य की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक 05: ''बी.एड. प्रशिक्षार्थियों के शैक्षिक अभियोग्यता एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में धनात्मक सहसंबंध नहीं होगा।''

सारणी क्रमांक 05: बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता एवं अभिवृत्ति में सहसंबंध का सांख्यिकीय विश्लेषण

समूह	N	M	SD	df	r	सहसंबंध
शैक्षिक अभियोग्यता	180	89.81	8.49	178	0.04	धनात्मक सहसंबंध
शैक्षिक अभिवृत्ति	180	252.00	35.51			

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

व्याख्या: उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि बी.एड. प्रशिक्षार्थियों के शैक्षिक अभियोग्यता एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में धनात्मक सहसंबंध 0.04 प्राप्त हुआ । इस आधार पर उक्त परिकल्पना क्रमांक 05 अमान्य की गयी।

निष्कर्ष

1. शासकीय एवं अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया अर्थात् शासकीय एवं अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थी दोनों ही समान शैक्षिक योग्यता रखते हैं।
2. शासकीय एवं अशासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थी की शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया अर्थात् अभिवृत्ति किसी संस्थान एवं परिस्थिति के प्रति मानव के व्यवहार को प्रदर्षित नहीं करती है।
3. पुरूष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभियोग्यता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया अर्थात् छात्र नियंत्रण, कक्षा निर्देशन, शिक्षक–छात्र संबध, नवाचार के प्रयोग आदि पर आयु, लिंग, अनुभव का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। चूंकि महिला व पुरूष प्रशिक्षार्थी दोनों में ही समान रूप से शैक्षिक अभियोग्यता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
4. पुरूष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया अर्थात् पुरूष एवं महिला प्रशिक्षार्थियों के दृष्टिकोण अपने पेशे के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक हो सकते हैं।
5. बी.एड. प्रषिक्षार्थियों की अभियोग्यता तथा शैक्षिक अभिवृत्ति में धनात्मक सहसंबंध पाया गया अर्थात् शिक्षक प्रषिक्षार्थियों की जिज्ञासु प्रवृत्ति, नवीन ज्ञान को ग्रहण करना, नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति तथा व्यवसाय के प्रति जागरूकता उच्च अभियोग्यता को दर्शाती है।

सुझाव

1. शिक्षकों को समाज के विभिन्न वर्गों में जाकर शैक्षिक व अन्य कार्यो द्वारा समुदाय के साथ सहभागिता का अवसर प्राप्त करना चाहिए।

2. शिक्षण प्रशिक्षण संस्था में शिक्षक संगोष्ठी, चर्चा परिचर्चा, वाद–विवाद आदि का आयोजन किया जाना चाहिए।
3. अध्ययन में स्व अधिगम सामग्री, खेल व परिवेश के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए।
4. अध्यापकों के गुणात्मक उन्नयन हेतु क्रियान्वित प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर चलते रहना चाहिए।
5. प्रशिक्षार्थियों मे ं शैक्षिक अभिवृत्ति के विकास हेतु उन्हें अधिक से अधिक अनुभव से जोड़ना चाहिए।
6. शिक्षकों में शिक्षकीय अभिवृत्ति धनात्मक एवं अनुकूल बनाये रखने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बाद भी नियमित अनुभवी एवं पृष्ठ–पोषी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए।
7. शिक्षकों में अभिवृत्ति के विकास हेतु पाठ्य वस्तु केन्द्रित शिक्षण विधि अपनाने के बजाए अधिक से अधिक अधिगम अनुभव प्रदान करने वाली विधियों को बढ़ावा देना चाहिए, जैसे–नाटक विधि, कहानी विधि, क्रिया केन्द्रित विधि आदि।
8. ज्ञान, मूल्य के विकास हेतु शिक्षकों के लिए समय समय पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम प्रारंभ करने चाहिए, जिससे वे स्वाध्याय, पुस्तकालय द्वारा अपने ज्ञान भंडार में वृद्धि कर ज्ञान के नवीन सिद्धांतों और तथ्यों से अवगत हो सकें।

संदर्भ सूची

1. Jain, Smeeta (1992) A Study of creativity in relation to the teaching aptitude, Skills and personality variables of pupil-teachers. Vth Survey Vol-II, Page 1560, New delhi, NCERT
2. Meera, S. (1988) – A study of the relationship between teacher behaviour and teaching aptitude of teacher-trainies. Vth Survey Vol-II, Page 1352, New delhi, NCERT
3. Sharma, Meenu (1992) – A study of teachers Socio-economic status and values with references to their attitude towards the nation. Vth Survey Vol-II, Page 1492, New delhi, NCERT

****